



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

प्रकाशरण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उपखण्ड (i)

PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्रधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

नं० 170] नई दिल्ली, शनिवार, सितम्बर 18, 1971/भाद्र 27, 1893

No. 170] NEW DELHI, SATURDAY, SEPTEMBER 18, 1971/BHADRA 27, 1893

इस भाग में निम्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed  
as a separate compilation.

## MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue and Insurance)

NOTIFICATION

CENTRAL EXCISES

New Delhi, the 18th September 1971

**G.S.R. 1382.**—In exercise of the powers conferred by sub-rule (1) of rule 8 of the Central Excise Rules, 1944, the Central Government hereby exempts hydrogen peroxide of medicinal grade, falling under Item No. 14E of the First Schedule to the Central Excises and Salt Act, 1944 (1 of 1944) and manufactured from hydrogen peroxide of no-medicinal grade falling under Item No. 14AA of the said Schedule on which the appropriate duty of excise or the additional duty under section 2A of the Indian Tariff Act, 1934 (32 of 1934), as the case may be, has already been paid, from so much of the duty of excise leviable thereon as is equivalent to the duty of excise or the additional duty under section 2A of the second mentioned Act, as the case may be, which has already been paid.

[No. 174/71]

B. K. AGARWAL, Under Secy.

## बित्त मंत्रालय

(राजस्व और बीमा विभाग)

अधिसूचना

केन्द्रीय उत्पादन शुल्क

नई दिल्ली, 18 सितम्बर, 1971

सा० का० नि० 1382.—केन्द्रीय उत्पादन-शुल्क नियम, 1944 के नियम 8 के उपनियम (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार, केन्द्रीय उत्पादन शुल्क और लवण अधिनियम, 1944 (1944 का 1) की प्रथम अनुसूची की मद सख्या 14 क के अन्तर्गत आने वाले औषधीय-इतर श्रेणी के हायड्रोजन पैराक्साइड से, जिस पर, यथास्थिति, समुचित उत्पाद-शुल्क या भारतीय टैरिफ अधिनियम, 1934 (1934 का 32) की धारा 2 क के अधीन, अतिरिक्त शुल्क पहले ही संवत् किया गया है, विनिर्मित औषधीय श्रेणी के हायड्रोजन पैराक्साइड को, जो उक्त अनुसूची की मद सख्या 14 ड के अन्तर्गत है, उस पर उद्ग्रहणीय उतने उत्पाद-शुल्क से एतद्वारा छूट देती है, जितना यथास्थिति, उत्पाद-शुल्क या द्वितीय उल्लिखित अधिनियम की धारा 2 क के अधीन, अतिरिक्त शुल्क के, जो पहले ही संवत् किया गया है, बराबर हो।

[सं० 174/71]

बाबू कृष्ण अग्रवाल,  
भारत सचिव ।